प्रेस विज्ञप्ति

14 फरवरी, 2017

रणदीप सिंह सुरजेवाला, मीडिया प्रभारी, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी, श्री दिनेश गुंडूराव, कार्यकारी अध्यक्ष, कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी व श्री सलीम अहमद ने निम्नलिखित बयान जारी किया :–

आज हम देश के इतिहास में **'पारदर्शी भ्रष्टाचार'** की पोल खोल रहे हैं। **'भ्रष्टाचार के ताजा सनसनीखेज़ खुलासे'** ने वरिष्ठ भाजपा नेताओं की असलियत जगजाहिर कर दी है। **'इस भंडाफोड़ कारनामे'** से उजागर होता है कि कैसे **'राजनैतिक ताकत तथा पद का दुरुपयोग'** पैसा इकट्ठा करने के लिए किया जाता है और किस प्रकार से इस **'पैसे की बंदरबांट'** ऊपर तक होती है।

भाजपा नेताओं का **'चाल, चेहरा और चरित्र'** सबके सामने है। कैबिनेट मंत्री, श्री अनंत कुमार, जिन पर संसद चलाने का जिम्मा है और श्री यदुरप्पा, भाजपा अध्यक्ष, कर्नाटक, जिन पर कर्नाटक में सत्ता हथियाने की जिम्मेदारी है, के बीच हुई **13 फरवरी, 2017** की बातचीत, न केवल सनसनी पैदा करने वाली है परंतु सत्ता तथा पद के दुरुपयोग का सरेआम पर्दाफाश करती है। यह बातचीत भाजपा की बैंगलोर मीटिंग के दौरान हुई, जब एक और कैबिनेट मंत्री, श्री सदानंद गौड़ा उसे संबोधित कर रहे थे। बैंगलोर में हुई बातचीत की लाईव वीडियो आपके सामने प्रस्तुत है।

इस वीडियो को देखकर आप सब और देशवासी स्वयं **'सोचें, परखें और निर्णय करें'**। एक बात साफ है कि वो **'खाते भी हैं'** और **'खिलाते भी हैं'** तथा वीडियो पर ये बताते हुए पकड़े जाते भी हैं।

सच्चाई देश के सामने है। हम देशवासियों की ओर से श्री नरेंद्र मोदी व श्री अमित शाह से पांच सवाल पूछते हैं :–

I. भाजपा के केंद्रीय मंत्री, श्री अनंत कुमार मान रहे हैं कि उन्होंने पैसा दिया। यह पैसा आया कहां से और गया कहां? यह पैसा किस एवज़ में दिया? कितना पैसा दिया और उसका इस्तेमाल कहां हुआ और किसने किया? क्या यह भ्रष्टाचार नहीं?

II. भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री, श्री यदुरप्पा से किसने पैसे लिए? यह पैसा आया कहां से और गया कहां? यह पैसा किस एवज़ में दिया? कितना पैसा दिया और उसका इस्तेमाल कहां हुआ और किसने किया? क्या यह भ्रष्टाचार नहीं?

III. क्या श्री अनंत कुमार व श्री यदुरप्पा सच कह रहे हैं? क्या इन दोनों के खिलाफ सीधे–सीधे भ्रष्टाचार निरोधक कानून का मामला नहीं बनता? क्या श्री नरेंद्र मोदी व श्री अमित शाह उन दोनों का इस्तीफा लेकर एफआईआर दर्ज करवाएंगे?

IV. श्री अनंत कुमार व श्री यदुरप्पा चिंगारी लगाकर आग फैलाने की कौन सी साजिश की ओर इशारा कर रहे हैं? क्या साम–दाम–दंड–भेद व कुनीति के तहत सत्ता हथियाने और इल्ज़ाम लगाने का कोई नया षडयंत्र रचा जा रहा है, जिसे (उनके शब्दों में) चुनाव तक चलाया जा सके?

V. क्या पांच राज्यों में होने वाली संभावित हार को देखकर अब भाजपा नेतृत्व सीबीआई–ईडी–इंकम टैक्स को कठपुतलियों की तरह अपने षडयंत्र में भागीदार बना इस्तेमाल कर रहे हैं, ताकि विरोधियों पर अनर्गल और झूठे इल्ज़ामात लगाए जा सकें?